बर्षः- 06
अंकः- 12
मुरादाबाद
(Sunday)
03 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

योगी का सख्त निर्देश, बोले- खोदी गई सड़क और गड्ढे तुरंत भरें, जल जीवन मिशन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मुख्यमंत्री योगी ने जल जीवन मिशन के तहत खुदी सड़कों और गड्ढों को तुरंत भरने के निर्देश दिए हैं। लापरवाही पर ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। अधिकारियों को निरीक्षण के आदेश दिए गए हैं ताकि जनता को सुरक्षित और सुचारु जलापूर्ति मिल सके।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जल जीवन मिशन के तहत खुदाई का काम करते समय सुरक्षा के सभी मानकों का सख्ती से पालन किया जाए और कार्य संपन्न होते ही खोदी गई सड़कों व गड्ढों को तत्काल भरा जाए। जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी खुद स्थलीय निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योगी सरकार शहरी इलाकों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में साफ पानी पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। जल जीवन मिशन के जरिए करोड़ों लोगों को इसका लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश के मुताबिक प्रदेश के सभी जिलों में जिलाधिकारी, जल जीवन मिशन से जुड़े वरिष्ठ अधिकरी तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर खुदी हुई सड़कों व गड्ढों की स्थिति का पता करें। साथ ही इन्हें तत्काल भरना भी सुनिश्चित करें। इस काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। काम को समय से पूरा नहीं करने, अधूरा छोड़ने या इसमें लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं व ठेकेदारों पर जुर्माना लगाने के साथ ही उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए। सीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जल समाधान पोर्टल पर आपूर्ति, लीकेज व खुदाई से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। टोल फ्री नंबर पर कीजिए शिकायत- जल जीवन मिशन के तहत जलापूर्ति या मरम्मत संबंधित शिकायतों के लिए लोग 18001212164 टोल फ्री नंबर पर शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में करीब 2.50 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को नल से जल कनेक्शन पहुंचाया जा चुका है। विंध्य और बुंदेलखंड में लगभग शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। योगी सरकार घर-घर साफ पानी पहुंचाने का काम युद्धस्तर पर कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

स्मार्ट प्रीपेड मीटर से बिजली उपभोग के सात फायदे, मिलेगा इन झंझटों से छुटकारा; घर बैठे ही होगा समाधान

लखनऊ में स्मार्ट प्रीपेड मीटर से बिजली उपयोग पर उपभोक्ताओं को कई सुविधाएं मिल रही हैं। फर्जी बिलिंग से राहत, ऐप के जरिए खपत की निगरानी और आसान रिचार्ज जैसी सुविधाएं शामिल हैं। बैलेंस खत्म होने से पहले सूचना मिलती है और मीटर खराब होने पर स्वत: जानकारी विभाग को पहुंचती है।स्मार्ट प्रीपेड मीटर से बिजली का उपभोग करने पर उपभोक्ताओं को सात तरह के फायदे हैं। न तो फर्जी रीडिंग का बिल बनने का झंझट और न ही कार्यालय में भटकने की जरूरत। यह दावा लखनऊ मध्य जोन के अधीक्षण अभियंता (वाणिज्य) मुकेश कुमार त्यागी ने प्रेसवार्ता में किया।शनिवार को 1912 कॉल सेंटर हुसैनगंज पर अधीक्षण अभियंता ने पत्रकारों को बताया कि स्मार्ट मीटर को लेकर वह लोग नियोजित तरीके से तमाम तरह के भ्रम फैला रहे, जो समय पर बिल का भुगतान नहीं करते हैं। त्यागी ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के सात फायदे गिनाते हुए कहा कि जो उपभोक्ता यूपीपीसीएल स्मार्ट एप को डाउनलोड कर लेगा उसको इस सिस्टम से कोई परेशानी नहीं होगी। इस एप के जरिए उपभोक्ता रोजाना जलने वाली बिजली की निगरानी करके अपने बिल को घटा सकता है। अनावश्यक बिजली के उपकरणों का उपभोग करने से बिल बढ़ेगा, जिससे रिचार्ज जल्दी खत्म होगा।

बोलीं- चुनाव काल की तरह अब भी डीजल-पेट्रोल के दाम नियंत्रित करे सरकार

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ाए जाने के बाद केंद्र की सरकार को सुझाव दिया है और कहा कि गरीब व मध्यमवर्ग के लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करके ही सरकार अपनी नीतियां बनाएं।कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की कीमतों में एकमुश्त 993 रुपये बढ़ाए जाने को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर बयान जारी करते हुए कहा कि सरकार के इस कदम से जनता में बेचैनी है। इससे आम जनता की मुश्किलें बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह विधानसभा चुनाव के दौरान पेट्रोल-डीजल के दाम नियंत्रित किए गए थे। सरकार अब भी वही तरीका अपनाएं।उन्होंने अपने बयान में कहा कि देश में कॉमर्शियल सिलिंडर की भारी किल्लत के बीच उसकी कीमत में एक मुश्त 993 रुपयों की फिर की गयी वृद्धि व उसका आम जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव से जुडी खबरें इलेक्ट्रानिक सहित सभी मीडिया जगत की सुर्खियों में हैं और इस आशंका से कि जल्द ही रसोई गैस, पेट्रोल व डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें भी जरूर बढ़ेंगी, लोगों में बेचैनी व्याप्त है।इसका वास्तविक कारण चाहे अमेरिका-इजराइल का ईरान पर युद्ध हो या अन्य कुछ और। सरकार ने जिस प्रकार से राज्यों के विधानसभा आमचुनाव के मद्देनजर खासकर पेट्रोलियम पदार्थों आदि की कीमत को काफी कुछ नियंत्रण में रखा, उस नीति को वर्तमान में भी व्यापक जनहित व जनकल्याण के तहत जारी रखना चाहिये तो यह देशहित में उचित होगा। दिल्ली में भी नई दर पर कॉमर्शियल सिलिंडर की कीमत अब लगभग तीन हजार से अधिक हो जाएगी। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों के इस प्रकार से बढ़ने से पहले से ही महंगाई से त्रस्त देश के अधिकतर गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, इसका आकलन करके ही सरकार अपनी नीतियों का निर्धारण करे तो यह बेहतर है। कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ने के बाद अब अनुमान लगाया जा रहा है कि घरेलू गैस सिलिंडर और पेट्रोल-डीजल की कीमतें भी बढ़ेंगी।

भारत और इक्वाडोर के बीच मजबूत हुए कूटनीतिक संबंधः दवाइयों से लेकर डिजिटल तकनीक तक, कई बड़े समझौते

भारत और इक्वाडोर ने व्यापार की बाधाएं तोड़कर नई आर्थिक साझेदारी की नींव रखी है। दवाइयों से लेकर डिजिटल तकनीक तक, यह मेलजोल दोनों देशों के भविष्य को नई दिशा और मजबूती प्रदान करेगा। दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए हैं।इक्वाडोर की विदेश मंत्री गैब्रिएला सोमरफेल्ड की हालिया भारत यात्रा ने दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। इस उच्च स्तरीय दौरे का मुख्य उद्देश्य व्यापार, निवेश और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना रहा। भारतीय नेतृत्व के साथ सोमरफेल्ड की बैठकों के दौरान दोनों देशों ने आर्थिक साझेदारी को और बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।व्यापारिक मोर्चे पर इस यात्रा के परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। दोनों देशों ने व्यापार में आने वाली बाधाओं को दूर करने पर विस्तार से चर्चा की। इक्वाडोर ने विशेष रूप से अपने प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे केला, कोको और झींगा के लिए भारतीय बाजार में बेहतर अवसर तलाशने पर जोर दिया। दूसरी ओर, भारत ने इक्वाडोर के ऊर्जा और खनन क्षेत्रों में निवेश की रुचि दिखाई है। यह कदम दोनों देशों के बीच व्यापार संतुलन को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा।इक्वाडोर को जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराएगा भारत- स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्युटिकल क्षेत्र इस दौरे का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा। भारत ने इक्वाडोर को सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। इस सहयोग से इक्वाडोर की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही, दोनों देशों ने जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा अनुसंधान में संयुक्त प्रयासों पर भी चर्चा की। तकनीकी मोर्चे पर भारत ने अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के अनुभव को साझा करने की पेशकश की है। डिजिटल क्रांति से प्रभावित होकर, इक्वाडोर ने अपने प्रशासनिक और वित्तीय प्रणालियों को आधुनिक बनाने के लिए भारतीय विशेषज्ञता का लाभ उठाने की इच्छा जताई है। साथ ही, और सतत विकास जैसे वैश्विक मुद्दों पर भी दोनों देशों ने एक सुर में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह दौरा न केवल व्यापारिक था, बल्कि इसने लैटिन अमेरिका में भारत की बढ़ती रणनीतिक पहुंच को भी मजबूती प्रदान की है।

कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की तबीयत बिगड़ी, लखनऊ के मेदांता में भर्तीः PM मोदी के बाद राहुल ने भी किया पोस्ट

अपने संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय जी के अस्वस्थ होने का समाचार प्राप्त हुआ है। मैं उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की शुक्रवार शाम को अचानक तबीयत खराब हो गई। उन्हें लखनऊ के कार्पोरेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। उन्हें अब किसी तरह का खतरा नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय शुक्रवार को कार्यालय में बैठे थे। उन्हें कुछ कमजोरी लगी। वे आवास पर चले गए। कुछ देर बाद अचानक वे बेहोश हो गए। आनन फानन उन्हें शहीद पथ स्थित कॉर्पोरेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक सोडियम कम होने की वजह से वह बेहोश हो गए थे।

डॉक्टरों की टीम उनका उपचार कर रही है। उन्हें अब किसी तरह का खतरा नहीं है। हालांकि कमजोरी बनी हुई हुई है। उन्हें अभी निगरानी में रखा गया है। एहतियात के तौर पर कुछ जरूरी जांचें सुबह दोबारा कराई जाएंगी। फिर उसी आधार पर आगे का निर्णय लिया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लिखा- अजय राय के अस्वस्थ होने की खबर मिली है। उनके जल्द ठीक होने की कामना करता हूं।मेदांता हॉस्पिटल ने मेडिकल बुलेटिन जारी कर बताया कि अजय राय, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (आयु- 56 वर्ष), को कल शाम लगभग 6-30 बजे आपातकालीन विभाग में लाया गया।

उस समय वे अचेत अवस्था में थे तथा उन्हें दौरे (Seizure) की शिकायत हुई थी। प्रारंभिक जांच में उनके रक्त में सोडियम का स्तर कम (Hyponatremia) पाया गया। वर्तमान में उनका उपचार क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. दिलीप एवं उनकी टीम की निगरानी में चल रहा है। उपचार के दौरान उनके सोडियम स्तर को नियंत्रित एवं स्थिर किया गया है। फिलहाल उनकी स्थिति में सुधार है। उन्हें आईसीयू में डॉक्टरों की सतत निगरानी में रखा गया है।

बंगाल का सियासी चौसरः शुभेंदु ने ममता पर कसा तंज, कहा- मुख्यमंत्री की ड्रामेबाजी से नहीं बदलेगा जनादेश

वोटों की गिनती से पहले बंगाल में वार-पलटवार तेज हो गया है। शुभेंदु ने जहां ममता के धरने को हार का डर बताया है, वहीं ममता ने गिनती में धांधली होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दे डाली है। शुभेंदु ने और क्या-क्या कहा है? पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले सियासी पारा सातवें आसमान पर है। भाजपा के दिग्गज नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। शुभेंदु ने ममता बनर्जी की ओर से देर रात मतगणना केंद्र के बाहर धरना देने को ड्रामेबाजी बताया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस तरह के हथकंडों से जनता का फैसला नहीं बदलने वाला है।शुभेंदु अधिकारी ने कहा, %मुख्यमंत्री जो कर रही हैं, वह ड्रामेबाजी के अलावा और कुछ नहीं है। वह कल रात एक ऐसी गाड़ी लेकर मतगणना केंद्र पहुंची थीं, जिसमें वॉशरूम जैसी तमाम सुविधाएं मौजूद थीं। कहा कि मुख्यमंत्री अगले दो दिनों तक ऐसी नौटंकी जारी रख सकती हैं, लेकिन इससे परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि बंगाल की सत्ता से ममता बनर्जी की विदाई तय है।ममता बनर्जी की ओर से ईवीएम के साथ छेड़छाड़ के आरोपों पर शुभेंदु ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने सवाल किया, %आखिर उनकी योजना क्या है? वह जो कर रही हैं, वह सरासर गलत है। वह अपनी हार के डर से बौखला गई हैं।% शुभेंदु ने कहा कि बंगाल में परिवर्तन की लहर चल रही है और यह बात हर कोई जानता है। उन्होंने घोषणा की कि चार मई की दोपहर तक सटीक आंकड़े सामने आ जाएंगे और बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी।

संपादकीय Editorial

"Malnutrition" is not an election issue!

West Bengal is in its second and final phase of voting. This will mark the end of the election season. The mandates of all states will be public on May 4th, revealing who formed the government, who retained power, and who was eliminated. Before the end of campaigning in Bengal, Prime Minister Modi issued a letter and audio message to Bengal and Bengalis. This is also an election call to mobilize his vote bank and encourage voting. The Prime Minister has remained unfazed by his public meetings and road shows, even in the scorching heat, as the large crowds and gatherings have given him a feeling of pilgrimage. He cannot help but invoke the names of Goddess Durga and Goddess Kali and has also visited temples to perform puja. This is an essential and spiritual act to keep the spirit of Hindutva alive and relevant and to keep its followers connected to the BJP. Mamata Banerjee also has a significant influence among Hindus. This fact has been worrying the Prime Minister and the BJP's election strategists. Prime Minister Modi has assured the people of Bengal through a letter that he will visit Bengal on May 4th and join in the victory celebrations with all Bengalis. If the BJP does not receive a mandate, will the Prime Minister still come to Bengal to join in the victory celebrations? The Prime Minister has also reiterated his resolve that he is mindful of his responsibilities. If the BJP forms the government, work on them will begin immediately. This is, however, a unique method of campaigning and seeking votes. Both Prime Minister Modi and Chief Minister Mamata Banerjee are making claims of victory, but this time the Bengal elections were fierce, aggressive, and deeply communal. Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath repeatedly threatened "cow slaughter" and "division of Hindus," vowing that this would not be allowed. Should a mandate be sought on these slogans, and are these slogans sufficient for society? The election revolved around rhetoric like Modi's guarantees versus Didi's agenda, Sanatan versus Muslims, infiltrators versus Matua refugees, a ruthless government versus Bengal's daughter's government, ED-CBI raids versus Bengali identity versus outsiders, fish and rice versus a ban on meat, cash versus freeloaders, and so on. Neither Prime Minister Modi nor Chief Minister Mamata Banerjee expressed concern about issues that concern Bengal's future generation, human development, and deformed children. In essence, the issue of malnutrition never became an election issue, nor was it mentioned during the election campaign, because all governments are naked in this mess. Malnutrition is a serious health and social challenge for Bengal. High and severe cases of stunting, wasting, and anemia have been reported in the state's rural and slum areas, especially among children and adolescents. Up to 54% of adolescents in Bengal are affected by malnutrition, and 49% suffer from extreme wasting. Among children aged 5-10, stunting is 25.48%, underweight is 33%, and wasting is 26.88%. Malnutrition in the Darjeeling region has increased from 11.3% to nearly 21%. In North 24 Parganas, stunting has reached nearly 33%. The anemia rate among school-age children is nearly 30% at the primary level. Nutritional crisis persists among tribal communities, despite government initiatives. Bengal's mediocre economic status, lack of education and awareness, contaminated drinking water, and poor sanitation are fundamental factors contributing to malnutrition. Aren't these election issues? Why doesn't the public pressure political parties on these issues? Malnutrition is also a fundamental, major cause of premature deaths. According /

The Blockade's Impact: The Strait of Hormuz is a lifeline for Gulf countries; if it remains closed, the migrants will be the first to suffer.

Many people in the Gulf are advising Iran to compromise. They offer advice as if only Iran will foot the bill for the war, while everyone else will sit in air-conditioned rooms and watch the spectacle. The real game is that if the Strait of Hormuz is closed, Iran will suffer, but the Gulf countries will be left breathless, and the migrants will be the ones to suffer. In the second month of the war, many migrants living in Gulf countries are writing that Iran should compromise now. They say that if the US stops Iran's imports and exports, Iran will be weakened and will eventually be left with no option but to surrender. This sounds simple, but it is the biggest deception. War doesn't just involve missiles; roads are blocked, ships are stopped, markets become expensive, jobs are lost, and kitchen fires reach homes. First, understand that Iran is not a country experiencing pressure for the first time. It has been living under sanctions for years. Its banks have been blocked, oil pressure has been imposed, ships have been monitored, and trade has been halted, yet it hasn't completely collapsed. The reason is clear. Iran, though forced to, has built a system to meet many of its needs internally. For things like rice, it has to look abroad, but it produces or manufactures many of its own food items. So, to think that America blocking the way will bring Iran to its knees next week is childish thinking. Now, let's talk about oil. Iran's oil doesn't sell like a king in the open market. It sells under pressure, at a discount, and its biggest buyer is a country like China. Even if the US wanted to, the US cannot completely dictate China's needs. China isn't a neighborhood shop that America scolds and stops buying. China looks after its own profit. If it can get cheap oil, it will find a hundred ways to do it. This is the truth, which many people don't want to see. Now, look at the Gulf countries. Countries like Saudi Arabia, Qatar, the UAE, Kuwait, and Bahrain are certainly wealthy, but wealth and power aren't the same thing. It's one thing to have money in the bank, but it's another to have daily goods delivered to the port. You may have millions of rupees in your pocket, but if the route for flour, pulses, milk, and medicine to reach your city is blocked, even that money becomes a bundle of notes. The Strait of Hormuz highlights this difference. Hormuz isn't just a sea route into the Gulf. It's the very lifeline of the Gulf countries. Oil is extracted, gas is transported, ships ply, insurance companies determine prices, and millions of migrants earn their livelihoods. If this route is closed or threatened, oil shipments are halted, ships become expensive, insurance becomes costlier, goods arrive late, and market prices rise. Who suffers first? Not a sheikh, not a minister, not a major company owner. First suffer laborers, drivers, low-income workers, hotel workers, shop assistants, and expatriates who rely on a monthly salary. This is what many expatriates in the Gulf fail to understand. They're advising Iran to compromise, but they're not looking at the ground beneath their feet. If Gulf revenues are halted, companies will cut expenses first. Bonuses will be cut, then salaries will be withheld, then jobs will be lost, and finally, they'll be handed tickets and told to go home. In a crisis, every country protects its own citizens first. Those who come to work from abroad come last. This is harsh, but true. The biggest problem for countries like the UAE, Kuwait, and Bahrain is that many of their food needs are imported. Wheat, rice, fruits, vegetables, dairy products, pulses, meat, and other daily necessities are largely imported. Saudi Arabia and Qatar can manage to some extent on their own, but they're not completely carefree. Now imagine what would happen if both the Straits of Hormuz and Bab al-Mandab were pressured? Oil wouldn't just be stopped, but kitchen supplies would also become more expensive. Gas wouldn't just be stopped, but even the workers' plates would become smaller. This is the real game. Hormuz would be brought to the fire to pressure Iran, but the flames wouldn't just be directed towards Iran. The Gulf countries' economies depend on imported goods, outbound oil and gas, and imported workers. This entire structure appears gleaming as long as the routes are open. Once the routes are closed, the true weakness is revealed. Glistening buildings don't satisfy the needs; ports do. And if the ports are threatened, the cities' luster fades. Therefore, it's easy to advise Iran to compromise, but the question is, at what cost? If compromise means Iran surrendering its power while the other side continues its pressure, then this isn't compromise, it's capitulation. Yes, if an agreement opens up new avenues, reduces restrictions, secures oil and gas routes, and eases the burden on ordinary people, then negotiations are good for everyone. But no country yields simply because some Gulf figures are offering advice on social media. What could happen next? If tensions escalate in the Hormuz region, inflation will rise in Gulf countries. Food and beverages will become more expensive. Shipping costs will rise. Companies will cut costs. Small jobs will be threatened. Migrant workers and employees will bear the greatest burden. Iran will suffer, but Gulf countries will also be unable to rest easy. The real blow will be felt by those whose salaries support their households and whose The entire family sits behind us. Our biggest mistake is that we see war on a map, not in our own pockets. Hormuz appears to be a thin sea line on the map, but the livelihood of millions of families depends on this line. Those who believe that Iran will surrender and they will survive should understand that if the routes are closed in this war, the path of the common man will be blocked first. The bottom line is that if Hormuz is closed, Iran will be injured, but the livelihood of the migrants living in the Gulf will be the first to be affected.

Questions Arising: Why Are AAP Leaders Disunited?

This question has become even more relevant amid discussions about Raghav Chadha's split from the Aam Aadmi Party. We often draw easy conclusions on such occasions, sometimes attributing it to opportunism, sometimes to organizational weakness, and sometimes to fear of the agencies. Given recent developments in Indian politics, one question that repeatedly comes to mind is why people align with a leader and when do they distance themselves from them. This question has become even more relevant amid discussions about Raghav Chadha's split from the Aam Aadmi Party. We often draw easy conclusions on such occasions, sometimes attributing it to opportunism, sometimes to organizational weakness, and sometimes to fear of the agencies. But the truth is that understanding politics this way would be too narrow. Politics is, in fact, a continuous process of persuasion and inspiration. In the 2024 Lok Sabha elections, the BJP, under the leadership of Narendra Modi, secured 240 seats. This fell short of an absolute majority, but the government was still formed, and the opposition also performed better than expected. It was expected that political attraction would fragment, and people would drift in different directions. But what's happening is a little different. Instead of joining another opposition party or an NDA constituent, those leaving the opposition are moving to the BJP. This isn't just a matter of numbers; it's a sign of the trust that's building somewhere. Having a young leader isn't enough... The opposition today is not lacking in energy. There's Rahul Gandhi, Akhilesh Yadav, Abhishek Banerjee, Hemant Soren, Revanth Reddy, K. Kavitha, Aditya Thackeray, and Raj Thackeray—all relatively young, active, and influential in their respective fields. Yet, if the flow seems to be in one direction, it must be acknowledged that simply being young or holding a position isn't enough. There's something else that draws people, and that's motivation. It's also not right to weigh every change solely on the scale of profit and loss. Kapil Mishra remained away from the expected role in active politics for a long time, only to be given responsibility. Leaders like R.P.N. Singh also didn't see a major political surge immediately. Young faces like Jaiveer Shergill also joined the BJP without any immediate gains. Yet, all of them changed direction. This means that decisions in politics aren't driven solely by immediate gains; they are driven by a deep conviction and a vision. Values ??have changed now—another important thing to understand here. Today, young people entering politics, especially those who are educated, have options. They can pursue good jobs, businesses, and create a secure and respectable life for themselves. If they enter politics, it's because they believe they can achieve something meaningful. But if they repeatedly have to compromise and deviate from their values, it's natural for them to question what they'll achieve by staying in politics. Such people often return to their path without much fuss. Therefore, retaining educated and capable youth is the most difficult test for any leadership. This is where the true test of leadership comes into play. Narendra Modi's voice stands out because he possesses an innate ability to connect with people. When he speaks to a litti chokha seller, a boatman, or asks a woman receiving a gas cylinder under the Ujjwala Yojana how her life has changed, the conversation doesn't feel artificial. He tries to understand the other person's life and speaks on that level. This is the moment when distance disappears and trust is built. Something similar happens with the youth. Interestingly, Narendra Modi neither speaks like the youth, nor dresses like them, nor adopts their language or style, yet the youth still feel a connection with him. Perhaps this is because the youth look not just for style, but for stability and clarity. They want leaders who can make decisions and stick to them; who don't waver in difficult times. Leadership is defined by steps and decisions—this same firmness is also evident in Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath. Coming from a humble background, without a family political legacy, he has established a unique trust among the youth through his actions and decisions. It's not necessary to look or sound like a leader to inspire the public or a leader. Leadership is recognized through one's conduct and decisions. Inspiration isn't limited to a single party. When Rajiv Gandhi became Prime Minister, his youthful energy captivated an entire generation. The determination Indira Gandhi displayed in 1971 rallied the entire nation, especially the youth, behind her. History repeatedly demonstrates that when leadership provides confidence and direction, people come together. The example of Arvind Kejriwal can also be seen in this context. He once convinced people that politics can be changed, and people began to connect with him. But inspiration has to be maintained. The day it wanes, people begin to distance themselves. Therefore, the biggest challenge for any political party is to constantly maintain the inspiration that keeps both the public and the leaders connected.

निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर के गिरे बीम, पांच करोड़ रुपये की लागत से हो रहा निर्माण

लाकड़ी फाजलपुर में निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर में शटरिंग टूटने से बीम गिर गए। इसका कारण आंधी को बताया जा रहा है। कई लोग निर्माण सामग्री और तकनीकी मानकों पर भी सवाल उठ रहे हैं। लाकड़ी फाजलपुर में चौहानों वाली मिलक के पास बन रहे कन्वेंशन सेंटर में बृहस्पतिवार रात एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। निर्माणाधीन ढांचे की शटरिंग अचानक जवाब दे गई और बीम भरभराकर नीचे आ गिरे। गनीमत रही कि जिस समय बीम गिरे उस वक्त कोई मजदूर नहीं था।घटना के पीछे आंधी को वजह बताया जा रहा है, लेकिन यह दलील कई सवाल भी खड़े कर रही है।

बताया गया कि तेज हवा के कारण शटरिंग को सहारा दे रहीं बल्लियां हिल गईं, जिससे बीम का संतुलन बिगड़ा और वह नीचे आ गिरे। मगर सवाल यह है कि क्या महज एक आंधी से करोड़ों की परियोजना की शटरिंग फेल हो सकती है।

निर्माण में इस्तेमाल सामग्री और तकनीकी मानकों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से 810 वर्ग मीटर क्षेत्र में बन रहे इस कन्वेंशन सेंटर का टेंडर पिछले साल जुलाई-अगस्त में जारी हुआ था। काम सितंबर से शुरू हुआ और ठेका एमए डेवलपर्स कंपनी को मिला।

इस कन्वेंशन सेंटर का इस्तेमाल विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और वैवाहिक समारोह के लिए किया जाएगा।

वर्तमान में शहर में सार्वजनिक आयोजनों के लिए एक मात्र स्थान पंचायत भवन है। मामले की जानकारी मिलते ही नगर आयुक्त ने सख्त रुख अपनाया है।

उन्होंने सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक रजनीश जायसवाल को तलब कर पूरी रिपोर्ट मांगी है। शुरुआती सफाई में परियोजना प्रबंधक ने शटरिंग की बल्लियां ढीली होने को कारण बताया है, जिससे बीम का भार संभल नहीं पाया और वह नीचे आ गए।

वहीं अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार का कहना है कि संचालन बाद की बात है, फिलहाल निर्माण का जिम्मा सीएमडीएस कंपनी का है। उन्हें इस मामले की ज्यादा जानकारी नहीं है।

मुरादाबाद जिले में ढाई घंटे होगी बिजली कटौती, गांव-शहर का शेड्यूल जारी, पूरे माह झेलनी होगी परेशानी

भीषण गर्मी के बीच यूपी पावर सेक्टर ने मुरादाबाद मंडल के कई जिलों में रोजाना 2 घंटे 30 मिनट की निर्धारित बिजली कटौती लागू कर दी है। तय शेड्यूल के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में अलग-अलग समय पर सप्लाई बाधित रहेगी। विभाग का कहना है कि यह फैसला ग्रिड सुरक्षा और लोड मैनेजमेंट के तहत लिया गया है।भीषण गर्मी में बिजली संकट ने दस्तक दे दी है। अब यूपी पावर सेक्टर की ओर से जारी आदेश के मुताबिक एक से 31 मई 2026 तक मुरादाबाद मंडल के जिलों में रोजाना दो घंटे 30 मिनट की बिजली कटौती तय कर दी गई है। यह कटौती तय समय पर की जाएगी, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों के उपभोक्ताओं को झटका लगेगा।जारी शेड्यूल के अनुसार मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर, सहारनपुर, रामपुर, संभल और मुजफ्फरनगर जैसे जिलों में अलग-अलग समय स्लॉट में कटौती होगी। तहसील मुख्यालयों में सुबह सात से साढ़े आठ बजे और दोपहर तीन से चार बजे तक बिजली गुल रहेगी।वहीं नगर पंचायत क्षेत्रों में सुबह 6:45 से 7:45 बजे तक और दोपहर 2:45 से 4:15 बजे तक कटौती लागू रहेगी। यानी दिन की शुरुआत से ही बिजली की आंख-मिचौली शुरू हो जाएगी और दोपहर की तपिश में भी राहत नहीं मिलेगी। खास बात यह है कि यह कटौती सामान्य व्यवस्था के नाम पर लागू की जा रही है।

जबकि पहले से ही कई इलाकों में अघोषित कटौती और ट्रिपिंग की समस्या बनी हुई है। बिजली विभाग का कहना है कि यह निर्णय ग्रिड सुरक्षा और लोड मैनेजमेंट के तहत लिया गया है, लेकिन सवाल यह है कि हर साल गर्मी आते ही उपभोक्ताओं पर बोझ क्यों डाला जाता है।अधीक्षण अभियंता (देहात) गुलशन गोयल का कहना है कि तहसील मुख्यालयों पर यह कटौती ऊपर से निर्धारित होती है। इसके अलावा यदि कहीं फॉल्ट होता है तो टीम शटडाउन लेकर मरम्मत करती हैं। बाकी तय शेड्यूल के मुताबिक अतिरिक्त कटौती नहीं की जाती है।

गांवों में अघोषित कटौती ने पहले ही बढ़ा रखी है मुसीबत मुरादाबाद और आसपास के जिलों में पहले से ही अघोषित बिजली कटौती और बार-बार ट्रिपिंग ने गांवों में लोगों की परेशानी बढ़ा रखी है। तय शेड्यूल के अलावा कई इलाकों में दिन-रात बिजली का आना-जाना लगा रहता है।

खासकर ग्रामीण क्षेत्रों और नगर पंचायतों में हालात ज्यादा खराब हैं, जहां घंटों सप्लाई ठप रहती है। इससे पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है और इन्वर्टर तक जवाब दे रहे हैं।

लोगों का कहना है कि अगर तय 2:30 घंटे की कटौती के साथ अघोषित कटौती भी जारी रही,

तो मई की गर्मी में हालात और भी बदतर हो जाएंगे। सिर्फ मुरादाबाद की बात करें तो मूंढापांडे के गांवों का बुरा हाल है।

हर दिन मौसम के बदलते रंग से लोग दंग

मुरादाबाद। मौसम के बदलते रंग से लोग दंग हैं। कभी तेज आंधी व बारिश तो अगले ही दिन चटख धूप निकल रही है। तापमान का असंतुलन लोगों को प्रभावित कर रहा है। खासकर बच्चे इसकी चपेट में आ रहे हैं। गुरुवार की शाम को आई तेज आंधी व इसके बाद बूंदाबांदी से लोगों को गर्मी और लू से फौरी राहत मिली थी। लेकिन शुक्रवार की सुबह से ही फिर चटख धूप निकल गया। दोपहर में धूप असहनीय थी। हालांकि तापमान पिछले दिनों की तुलना में कम रहा लेकिन आंधी व बूंदाबांदी का असर अगले ही दिन खत्म हो गया। इससे एक बार फिर तापमान बढ़ने और लू चलने की संभावना मौसम विभाग की ओर से जताई जा रही है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34.5 और न्यूनतम 25.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। तो इस सप्ताह के शुरू में 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। तापमान कम होने से उमस कम रही। शनिवार को भी मौसम साफ रहने का अनुमान जताया गया है। लेकिन तीन से पांच मई तक फिर बादल छाए रहने और बूंदाबांदी व हल्की बारिश का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है।दो से सात मई तक का अनुमानित तापमान- तारीख अधिकतम तापमान न्यूनतम तापमान- दो मई 34 डिग्री सेल्सियस 25 डिग्री सेल्सियस- तीन मई 35 डिग्री सेल्सियस 26 डिग्री सेल्सियस चार मई 34 डिग्री सेल्सियस 25 डिग्री सेल्सियस पांच मई 34 डिग्री सेल्सियस 24 डिग्री सेल्सियस छह मई 35 डिग्री सेल्सियस 24 डिग्री सेल्सियस सात मई 36 डिग्री सेल्सियस 25 डिग्री सेल्सियस- जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लोगों को सतर्कता बरतने की दे रहा सलाह गर्मी और लू के चलते बढ़ रहे मरीजों की संख्या को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन ने जारी एडवाइजरी के प्रभावी रुप से पालन पर जोर दिया है। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने जन सामान्य के अलावा गोवंश की भी सुरक्षा सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। गोशालाओं में गोवंश को भीषण गर्मी से बचाने के लिए उपाय करने के लिए कहा गया है। यह हैं हीट स्ट्रोक के लक्षण- जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आपदा विशेषज्ञ प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि हीट स्ट्रोक, हीट रैश, हीट क्रैम्प के लक्षण कमजोरी, चक्कर आना, सरदर्द, उबकाई, पसीना आना, मूर्छा आदि हैं। इसे पहचानें और इस प्रकार के लक्षण की स्थिति में तत्काल नजदीकी अस्पताल में सम्पर्क करें। यदि मूर्छा या बीमारी अनुभव करते हैं तो तुरन्त चिकित्सीय सलाह लें। बचाव के लिए यह करें उपाय- — अधिक से अधिक पानी पियें — हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले वस्त्र पहनें — धूप के चश्मे, छाता, टोपी, व चप्पल का प्रयोग करें — अगर आप खुले में कार्य करते है तो सिर, चेहरा, हाथ पैरो को गीले कपड़े से ढके रहे तथा छाते का प्रयोग करें। — यात्रा करते समय पीने का पानी अपने साथ ले जाएं — ओआरएस, घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड), नीबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें, जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके

पंचायत चुनाव की स्थिति साफ नहीं: अब 25 दिन की प्रधानी बची, प्रशासनिक समितियां संभाल सकती हैं बागडोर

मुरादाबाद की 643 ग्राम पंचायतों में प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने में सिर्फ 25 दिन बचे हैं। अभी तक इस मामले में सरकार ने स्थिति स्पष्ट नहीं की है। ऐसे में 27 मई के बाद पंचायत व्यवस्था में बदलाव तय माना जा रहा है। संभावना है कि कार्यकाल खत्म होने पर प्रशासक या समिति के जरिए कामकाज चले, जिसमें मौजूदा प्रधानों को भी शामिल किया जा सकता है। सांविधानिक व्यवस्था के तहत कार्यकाल खत्म होने के बाद प्रशासक नियुक्त होंगे या फिर समिति बनाकर कार्य संचालन होगा। इस बार संभावना है कि सरकार इन्हीं प्रधानों की सहभागिता में समिति गठित कर सकती है, जिसे प्रधानों के लिए तोहफा माना जा सकता है।हाईकोर्ट में मुरादाबाद के अधिवक्ता इम्तियाज हुसैन ने ग्राम पंचायतों के चुनाव समय पर कराए जाने को लेकर याचिका दाखिल की थी। जिसकी सुनवाई की तिथि 30 अप्रैल थी लेकिन पिछली चार तिथियों की तरह ही इस पांचवीं तिथि पर भी न्यायालय में किसी कारण सुनवाई नहीं हो सकी। याचिकाकर्ता अधिवक्ता ने बताया कि जब तक सुनवाई नहीं होती, तब कुछ नहीं कहा जा सकता है लेकिन कल की तिथि पर सुनवाई नहीं होने से इतना तो तय हो गया कि अब समय पर पंचायत चुनाव संभव नहीं लगता है, क्योंकि याचिका का आधार ही यही है कि आर्टिकल 243 ई के तहत प्राविधान है कि पंचायतों के चुनाव पांच साल के अंदर ही होने चाहिए। प्रधान की अध्यक्षता में बन सकती है प्रशासनिक समिति जिले की महिला ब्लाक प्रमुख ने बताया कि ऐसा नहीं है कि ग्राम पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाया नहीं जा सकता, उत्तराखंड और राजस्थान में ऐसा पहले हुआ है कि लेकिन व्यवस्था में यह आंशिक बदलाव संभव है कि इस बार ग्राम पंचायतों के संचालन के लिए समिति गठित की जाए, उसमें मौजूदा ग्राम प्रधान और दो अन्य सदस्यों (ग्राम पंचायत सदस्यों) को शामिल करके तीन सदस्यीय प्रशासनिक समिति गठित की जाए। इससे व्यवस्था भी बदल जाएगी और अप्रत्यक्ष रूप से प्रधान का कार्यकाल भी बढ़ जाएगा। ऐसा स्पष्ट तो नहीं कहा गया लेकिन 28 अप्रैल को पंचायती राज मंत्री की बैठक में ब्लाक प्रमुखों की मौजूदगी में ऐसे संकेत जरूर मिले हैं। कार्यकाल खत्म होना तो तय- जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक शर्मा के अनुसार चुनाव तो चुनाव आयोग ही कराएगा। प्रशासकीय व्यवस्था को लागू करना सरकार के हाथ में होता है। लेकिन अभी कोई स्पष्ट आदेश नहीं है। यह तय है कि प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को खत्म हो जाएगा, क्योंकि ग्राम पंचायतों की पहली बैठक इसी दिन हुई थी। सरकार अभी चुनाव नहीं कराना चाहती- सरकार शायद चुनाव अभी कराना ही नहीं चाहती है। सांविधानिक व्यवस्थाएं दो हैं, जिसमें पहली है प्रशासक बैठाना और दूसरी तीन सदस्यीय प्रशासनिक समिति गठित कर उसे पंचायत के संचालन का अधिकार देना। समिति की व्यवस्था तब होती है, जब प्रधान हो, कार्यकाल भी बचा है लेकिन कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रशासनिक समिति की व्यवस्था को सही नहीं माना जा सकता। - मोहम्मद उस्मान, अध्यक्ष भारतीय ग्राम प्रधान संगठन कार्यकाल बढ़ाने की व्यवस्था नहीं- सरकार की मंशा शायद ग्राम पंचायतों का चुनाव विधानसभा चुनाव के बाद कराने की हो सकती है। लेकिन प्रधानों का कार्यकाल सीधे तौर पर एक साल बढ़ाने की कोई व्यवस्था संविधान में नहीं है। यदि सरकार कैबिनेट की बैठक में कोई व्यवस्था पारित करती है तो अलग बात है। प्रशासक या समिति गठित करके संचालन की व्यवस्था है। -इम्तियाज हुसैन, अधिवक्ता

संक्षिप्त समाचार

रामगंगा नदी में बड़ी संख्या में मरी मछलियां, पानी जहरीला होने की आशंका

मुरादाबाद । शहर से गुजर रही रामगंगा नदी में अचानक बड़ी संख्या में मछलियों के मरने से अफरातफरी मच गई। नदी किनारे स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।इसकी जानकारी पर मौके पर लोग जुट गए। हालांकि, प्रशासन या संबंधित विभाग की ओर से अभी तक इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डीके गुप्ता ने बताया कि पानी में किसी प्रकार के रासायनिक प्रदूषण या ऑक्सीजन की कमी के कारण इस तरह की घटनाएं हो सकती हैं। इसकी जांच कराई जाएगी और यदि पानी में प्रदूषण की पुष्टि होती है, तो इसके दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शुक्रवार को मुरादाबाद रामपुर स्टेट हाईवे पर कटघर पुल के नीचे रामगंगा नदी के किनारे पानी की सतह पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां उतराई दिखीं। यह देख्ने के लिए लोग जुट गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि महानगर के लिए बनाए गए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का नाला सीधे रामगंगा नदी में गिर रहा है। लोगों का मानना है कि इस नाले से निकलने वाला पानी जहरीला हो सकता है, जिसके कारण मछलियां मर रही हैं।

हाईवे अधूरा...उत्तराखंड से आने जाने वाले वाहन हो रहे हादसे का शिकार

मुरादाबाद-हरिद्वार-देहरादून स्टेट हाईवे के बीच 22 किलोमीटर दूरी की सड़क निर्माण कार्य एक साल बीतने के बाद भी अधूरा है। जबकि इसे मार्च 2025 तक पूरी होना था। इससे लोगों में नाराजगी है। अधूरे निर्माण के चलते सड़क हादसों में कई लोग अपनी जान गवा चुके हैं। उत्तरप्रदेश को उत्तराखंड से जोड़ने वाला स्टेट हाईवे निर्माण कार्य अधर में है। इसमें लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की लापरवाही और कार्यदायी संस्थाओं की शिथिल कार्यशैली भारी पड़ रही है। 2024 मार्च में एमके टेडर्स को 22 किलोमीटर लंबी फव्वारा चौक से छजलैट तिराहे तक सड़क का टेंडर हुआ था। जिसे 2025 मार्च तक पूरा किया जाना था। लेकिन अब तक कार्यदायी संस्था निर्माण पूरा नहीं कर पाई है। लोक निर्माण विभाग की सुस्ती और ठेकेदार की लापरवाही के कारण कार्य की गति काफी धीमी है। कई स्थानों पर सड़क खोदकर छोड़ दिया गया है तो कहीं डामरीकरण अधूरा है। कहीं निर्माण सामग्री लंबे समय से बिखरी हुई है। इससे न केवल मार्ग की हालत खराब हो गई है,बल्कि राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बढ़ गया है। इसको लेकर किसान यूनियन के नेताओ ने भी आवाज उठाई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर आए दिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं। इसके अलावा, धूल उड़ने और जाम लगने की समस्या ने आसपास के लोगों का जीवन भी प्रभावित कर दिया है। यह मार्ग मुरादाबाद को हरिद्वार और देहरादून जैसे महत्वपूर्ण शहरों से जोड़ता है, ऐसे में इसका अधूरा रहना क्षेत्रीय यातायात और आर्थिक गतिविधियों के लिए भी बड़ी बाधा बन रही है। मुरादाबाद हरिद्वार देहरादून स्टेट हाईवे के अधूरे निर्माण से हुए हादसे 1— 21 अगस्त बाइक सवार दंपती की ट्रक से कुचलकर मौत २-कांठ रोड पर कंसाना ट्रेवल्स के सामने ट्रक व कार की टक्कर में 3 घायल 4— कांठ रोड पर सिद्धार्थ फार्म हाउस के सामने टेंपो व बाइक की भिड़ंत में एक की मौत, एक घायल 5—-कांठ रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने कंटेनर में पिकअप ने मारी टक्कर, दो घायल 6—-कांठ रोड पर सराय खजूर मोड़ पर ट्रैक्टर की चपेट में आने से सात वर्षीय बच्चे की मौत 7-कांठ रोड पुल के निकट पिकअप व बाइक की भिड़ंत में मनीष सैनी की मौत 8-कांठ रोड दीवान शुगर मिल के निकट बाईको की भिड़ंत में दो घायल एक की मौत।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

LIVE मॉनिटरिंग से बदलेगा सिस्टम : जनता दर्शन पर सीधी नजर!

अब आम जनता की शिकायतों पर होगा सीधा एक्शन! जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने शनिवार से तहसील मुख्यालयों में आयोजित होने वाले जनता दर्शन की लाइव मॉनिटरिंग की शुरुआत कर दी है। यह पहल शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए की गई है।

हर दिन सुबह 10 से 12 बजे तक तहसीलों में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम पर अब जिला मुख्यालय से सीधी नजर रखी जाएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई इस व्यवस्था को जनपद स्तर पर भी पूरी तरह लागू कर दिया गया है।

जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों से वर्चुअल संवाद कर स्पष्ट निर्देश दिए कि हर फरियादी की शिकायत को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना जाए। तय समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। उन्होंने चेतावनी भी दी–किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अब सिर्फ तहसील ही नहीं, बल्कि खंड विकास अधिकारियों और नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों के कार्यालयों में भी सुबह 10 से 12 बजे तक होने वाले जनता दर्शन की लाइव मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन एवं जनता के बीच समस्याएं सुन मौके पर ही दिए समाधान के निर्देश

जनता की समस्याओं हेतु नवाबगंज में लगा समाधान दरबार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में तहसील नवाबगंज के सभागार में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने जनसामान्य की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी अधिकारी आम जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार करें और शासन की मंशा के अनुरूप लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करें। साथ ही लोगों को जागरूक किया जाए कि वे अपनी समस्याएं खुद सामने आकर रखें। ग्राम देवरनियां की कक्षा 9 की छात्रा हर्षिता ने जिलाधिकारी को अपने हाथों से बनाया चित्र भेंट किया। दरअसल, हर्षिता के दिल में छेद के इलाज के लिए जिलाधिकारी की पहल पर 75 हजार रुपये की सहायता मिली थी, जिससे उसका सफल उपचार संभव हो सका। हर्षिता और उसके पिता ने पुष्पगुच्छ भेंट कर जिलाधिकारी का आभार जताया। ग्राम गरगईया के एक व्यक्ति ने अपने भाई की मृत्यु के बाद चौकीदार पद पर नियुक्ति की मांग की, जिस पर जांच के निर्देश दिए गए। ग्राम गुलशन नगर की एक महिला ने खेत की मेड़ पर खड़े पेड़ काटने की शिकायत की, जिस पर धारा–24 में वाद दर्ज करने के आदेश दिए गए। इस दौरान राजस्व, पूर्ति, विकास, चकबंदी और विद्युत विभाग से जुड़ी कई शिकायतें दर्ज की गईं, जिनके समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, एसपीआरए नॉर्थ मुकेश चंद्र मिश्रा, पीडी डीआरडीए चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव और एसडीएम नवाबगंज निधि शुक्ला समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

परसा खेड़ा के प्लाईवुड गोदाम में भड़की भीषण आग, फायर जवानों की जांबाज़ी से टला बड़ा हादसा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। परसा खेड़ा क्षेत्र में उस वक्त अफरा–तफरी मच गई जब आधी रात को प्लाईवुड के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं

कि आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बन गया। रात्रि 00ः24 बजे फायर स्टेशन परसा खेड़ा को सूचना प्राप्त हुई कि थाना सीबीगंज क्षेत्र के रोड नंबर 4, भारत पेट्रोलियम पंप के सामने स्थित प्लाईवुड गोदाम में आग लगी है। सूचना फायर स्टेशन सिविल लाइंस के माध्यम से दी गई। सूचना मिलते ही 00ः25 बजे फायर यूनिट तुरंत रवाना कर दी गई और महज 3 मिनट में 00ः28 बजे घटनास्थल पर पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया गया। मौके पर वरिष्ठतम अधिकारी एफएसएसओ के नेतृत्व में टीम ने कमान संभाली। शुरुआत में एक फायर टेंडर से आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया, लेकिन आग की विकरालता को देखते हुए सिविल लाइंस से अतिरिक्त यूनिट बुलाई गई। कुल 4 फायर वाहनों ने मिलकर मोटर फायर इंजन और होज पाइप लाइन के जरिए आग पर काबू पाने का अभियान चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद फायर टीम ने आग को पूरी तरह बुझा दिया। उनकी तेजी और सूझबूझ के चलते एक बड़ा हादसा टल गया।

09 मई को सजेगा 'न्याय का महाकुंभ: बरेली में राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर प्रशासनिक तैयारी तेज

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली । आगामी 09 मई (शनिवार) को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में जनपद न्यायालय सभागार में एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और लोक अदालत को प्रभावी बनाने की रणनीति तय की गई।

बैठक का आयोजन जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह–द्वितीय के दिशा–निर्देशन में किया गया। बैठक का संचालन नोडल अधिकारी एवं अपर जनपद न्यायाधीश उमाशंकर कहार द्वारा किया गया। नोडल अधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे अधिक से अधिक वादों को लोक अदालत में लगाकर उनका त्वरित और सफल निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह अवसर आमजन के लिए सस्ता, सुलभ और शीघ्र न्याय पाने का बेहतरीन मंच है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती जया प्रियदर्शिनी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत से पहले तीन दिवसीय विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से लघु आपराधिक मामलों का निस्तारण किया जाएगा।

सचिव ने पुलिस एवं संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जिन मामलों में नोटिस की तामील बाकी है, उन्हें प्राथमिकता से पूरा कराकर अधिक से अधिक मामलों को निपटाने की दिशा में काम करें। लोक अदालत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पैरा लीगल वालंटियर्स को मैदान में उतारा गया है, जो शहर के विभिन्न इलाकों में जाकर लोगों को इसके फायदे बता रहे हैं और भागीदारी के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आम जनता से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और अपने लंबित मामलों का निस्तारण कराकर राहत पाएं। डिप्टी सीएमओ पवन कपाही, एआरटीओ वैभव सोडी, बीएसएनएल के लेखाधिकारी अरविन्द कुमार शर्मा, शिक्षा विभाग से तौसीफ अहमद, बीडीए से विनोद कुमार, तथा कैनाल न्यायालय से बृजपाल सहित अन्य अधिकारी बैठक में मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर से परेशान उपभोक्ताओं ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / अमरिया/पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (चौधरी) के पदाधिकारियों द्वारा स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी अमरिया सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र के लोग स्मार्ट मीटर व्यवस्था से काफी परेशान हैं और जल्द समाधान की मांग की गई है। ज्ञापन के अनुसार, विभाग द्वारा कई बार बिना सूचना के मीटर बंद कर दिए जाते हैं,

जिससे उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, मीटर में रिचार्ज कराने के बाद भी उपभोक्ताओं को अधिक बिल आने की शिकायत है, जिससे आम जनता में असंतोष बढ़ रहा है। किसान यूनियन ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि उत्तराखंड में स्मार्ट मीटर पर रोक लगाई जा चुकी है, इसलिए उत्तर प्रदेश में भी इसे बंद करने पर विचार किया जाए। संगठन का कहना है कि किसान और मजदूर पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे हैं, ऐसे में यह व्यवस्था उनके लिए अतिरिक्त बोझ बन रही है। ज्ञापन में मांग की गई है कि पहले लगाए गए पारंपरिक बिजली मीटरों को दोबारा लागू किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को बिजली उपयोग में किसी प्रकार की परेशानी न हो। किसान यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जा सकता है।

मुख्य विकास अधिकारी ने बृहद गौ संरक्षण केंद्र फाजलपुर का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद ः मुख्य विकास अधिकारी ने देखा कि गोवंशीय पशुओं को हीट वेव से बचाने के लिए केटल शेड के चारों ओर जूट के पर्दे लगाए गए हैं, जिन पर दिन में दो बार पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इसके अलावा गौशाला में 72 पंखे लगाए गए हैं, जो दानदाता संजीव कुमार द्वारा दान में दिए गए हैं। पशुओं को नियमित रूप से हरा चारा, दाना तथा अन्य पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। केटल शेड में नियमित चूना छिड़काव से किल्लियों और पैरासाइट्स का पूर्ण नियंत्रण किया गया है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी महोदया ने गौशाला की समग्र व्यवस्था, पशुओं के स्वास्थ्य एवं देखभाल पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने गौशाला प्रभारी, केयरटेकरों एवं अन्य कर्मचारियों के कार्यों की प्रशंसा की। साथ ही गौशाला पर तैनात केयरटेकरों का अवशेष मानदेय तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने गौशाला की आय बढ़ाने के लिए वर्मी कंपोस्ट निर्माण सहित अन्य आयमूलक कार्यों पर विशेष ध्यान देने के आदेश दिए। आगामी बरसात के मौसम में संभावित बाढ़ को देखते हुए निर्माणाधीन प्लेटफार्म का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आदित्य गोयल, गौशाला प्रभारी विनोद कुमार सागर, पशुधन प्रसार अधिकारी जावेद हुसैन और पैरावेट रमेश कुमार मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ फोटो डालना पड़ा भारी , B3 पुलिस ने युवक को दबोचा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ फोटो डालना एक युवक को भारी पड़ गया। बिथरी चैनपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, 26 अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ अपनी फोटो वायरल कर रहा है।

इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया। इसके बाद 2 मई 2026 को देर रात करीब 12ः49 बजे चेकिंग के दौरान शाहजहांपुर हाईवे से परसौना रोड पर पुलिस ने आरोपी साजिद को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय आरोपी के पास से एक 315 बोर का तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह तमंचा अपनी सुरक्षा के लिए रखा था और अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी भी मांगी। इस पूरी कार्रवाई को थाना बिथरी चैनपुर पुलिस टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

धरने पर बैठी दलित पीड़िता से मिले सपा नेता, कार्यवाही की माँग की

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश

फारूखाबाद फर्रुखाबादः– बीते दिनों 11 अप्रैल 2026 को नींबकरोरी में एक दलित महिला जो दुकानों के सामने फुटपाथ तथा नली आदि की सफाई करके अपने परिवार का भरण पोषण करती है, उसके साथ वहीं कुछ दबंगों ने जातिसूचक गालियाँ दीं और मारपीट की, जिसके बाद महिला चौकी पहुंची, वहां फिर उसके साथ दूसरे पक्ष ने मारपीट की जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बाबजूद इसके आज तक पीड़िता की न तो रिपोर्ट लिखी गई और न ही चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया, पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी फर्रुखाबाद को भी प्रार्थना पत्र दिया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई।

समाजवादी पार्टी के जिला प्रवक्ता/सचिव राधेश्याम सविता ने मीडिया के साथ जानकारी साझा करते हुए बताया कि मारपीट के बाद पीड़िता उन दबंगों के भय से अपने परिवार सहित घर छोड़े हुए है, कार्यवाही न होने पर पीड़ित आज धरने पर बैठी गई, पार्टी जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव के नेतृत्व में जिला संगठन के पदाधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे, और हर संभव मदद का भरोसा दिया।

जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि दोषियों के खिलाफ यदि सख्त कार्यवाही नहीं हुई तो पार्टी नेतृत्व को अवगत कराया जाएगा, साथ ही पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए यदि पार्टी को आंदोलन करना पड़ा तो उसके लिए भी हम लोग तैयार हैं। इस मौके पर जिला महासचिव इलियास मंसूरी, विशेष आमन्त्रित सदस्य डॉ0 जे. पी. वर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र शाक्य, जिला उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव, जिला सचिव विनीत परमार, जिला सचिव/सभासद नौशाद अहमद, जिलाध्यक्ष महिला सभा सुलक्षणा सिंह, जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सभा देवेंद्र सिंह यादव, जिला सचिव निजाम अंसारी, महिला सभा जिला महासचिव लक्ष्मी राजपूत, सदस्य जिला कमेटी विजय अनुरागी, महासचिव यूथ ब्रिगेड अर्चित शर्मा, जदुनाथ सिंह यादव, साहिबे आलम अनस खां, शीलू खां आदि अन्य पदाधिकारी साथी मौजूद रहे।

समाधान दिवस में प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /अमृतपुर, फर्रुखाबाद/ आज समाधान दिवस में प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में नजर व पुलिस अधीक्षक हुए साफ सन्देश दिया नहीं होगी। ?? 114 किया गया। राजस्वः 48 3 खाद्यः 5 अन्यः 18

आरती सिंह ने जनसुनवाई करते कि अब लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त शिकायतें आईं, 2 का निस्तारण पुलिसः 22 विकासः 18 विद्युतः बड़े फैसले मौके पर विरासत मामले में अधिकारियों को कड़ी फटकार लापरवाही पर लेखपाल उत्कर्ष दुबे सस्पेंड वेतन न देने पर ग्राम विकास अधिकारी मानवेंद्र सिंह निलंबित तालाब कब्जा, चकमार्ग, सार्वजनिक रास्ते सहित कई गंभीर मामलों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश एम का साफ संदेशः नता की शिकायतों में लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं – सीधी कार्रवाई तय प्रशासन सख्त, अब काम में ढिलाई नहीं चलेगी!

स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को पोस्टपेड में बदलने की उठाई मांग सपा विधायक हुये एकजुट

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर राजा / यूपी में स्मार्ट प्रीपेड मीटरों पर बढ़ा विवाद, विधायकों ने पोस्टपेड में बदलने की उठाई मांग नजीबाबाद/लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटरों को लेकर अब जनप्रतिनिधियों ने भी खुलकर नाराज़गी जतानी शुरू कर दी है। नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक तसलीम अहमद ने प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग) को लखनऊ मे पत्र सौंपा और मीटरों को पोस्टपेड में बदलने की मांग की है।

उन्होंने अपने पत्र में कहा कि पूरे प्रदेश में लाखों घरों में लगाए गए स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। उनके अनुसार, मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं की औसत मासिक बिजली खपत 100.21 यूनिट बढ़कर 219.15 यूनिट तक पहुंच गई है, जो लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इससे आम लोगों को अधिक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ रहा है।विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि कई मामलों में उपभोक्ताओं द्वारा रिचार्ज करने के बावजूद 2-3 दिन तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पा रही है, जिससे भीषण गर्मी में लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा अग्रिम भुगतान और यूनिट गणना में भी गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिन्हें स्थानीय विद्युत विभाग के अधिकारी भी ठीक नहीं कर पा रहे हैं। तसलीम अहमद ने बढ़ती महंगाई का हवाला देते हुए कहा कि इन मीटरों की वजह से गरीब परिवारों और किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की कि जनहित को देखते हुए स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को पोस्टपेड मीटर में परिवर्तित करने के निर्देश जारी किए जाएं, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। इस मांग का समर्थन विधायक हाजी नासिर कुरैशी, मनोज पारस,रफीक अंसारी और मोहम्मद फहीम इरफान ने भी किया है।

महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय लखनऊ का 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा की बाह्य सीमा चौकियों का दौरा

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती श्री रत्न संजय, महानिरीक्षक, सीमांत मुख्यालय लखनऊ द्वारा 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) भिनगा एवं इसकी सीमा चौकियों दो दिवसीय दौरा दौरे के दौरान महानिरीक्षक द्वारा विशेष सैनिक सम्मेलन का आयोजन कर जवानों से सीधा संवाद स्थापित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने जवानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। महानिरीक्षक ने जवानों को संबोधित करते हुए सीमा पर ड्यूटी के दौरान तनावमुक्त रहकर सतर्कता, अनुशासन एवं पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, सीमा सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी एवं पश्चिम बंगाल में सम्पन्न विधानसभा चुनावों के दौरान एसएसबी जवानों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने शांतिपूर्ण एवं हिंसा मुक्त चुनाव संपन्न कराने हेतु सभी जवानों को धन्यवाद एवं हार्दिक बधाई दी। महानिरीक्षक द्वारा जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके मनोबल को और अधिक सुदृढ़ किया गया तथा उन्हें भविष्य में भी कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। दौरे के उपरांत बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर महा निरीक्षक ने श्रावस्ती स्थित जेतवन बौद्ध मंदिर में दर्शन कर देश की शांति, सुरक्षा एवं समृद्धि की कामना की। इस मौके पर पीयूष सिन्हा उप कमांडेंट व सोनू कुमार उप कमांडेंट के साथ अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा में सैनिक सम्मेलन आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा की अध्यक्षता में वाहिनी मुख्यालय भिनगा में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन के दौरान कमांडेंट द्वारा ड्यूटी के दौरान उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले बलकर्मियों– अमित शर्मा, सहायक कमांडेंट, निरीक्षक राहुल कुमार एवं उप निरीक्षक कमल यादव–को महानिदेशक, बल मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त डीजी डिस्क एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इसके उपरांत कमांडेंट द्वारा वाहिनी की विभिन्न सीमा चौकियों से आए सीमा चौकी कमांडरों एवं जवानों के साथ महत्वपूर्ण विषयों जैसे ड्यूटी निर्वहन, भारत-नेपाल संबंध, सीमा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं फिटनेस, प्रशिक्षण तथा खेल प्रतियोगिताओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जवानों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण भी किया । इस अवसर पर पीयूष सिन्हा, उप कमांडेंट, श्री सोनू कुमार, उप कमांडेंट व अन्य अधिकारी सहित वाहिनी के अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। सम्मेलन का उद्देश्य बलकर्मियों के मनोबल को सुदृढ़ करना एवं उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति और अधिक जागरूक एवं प्रेरित करना रहा।

देशी शराब के साथ महिला को दबोचा

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती परचून की दुकान पर झूम बराबर झूम नाम की देशी शराब बेची का रही थी। जानकारी होने पर हरदत्तनगर गिरंट पुलिस व आबकारी टीम ने औचक छापेमारी की और दुकानदार महिला को 54 पाउच देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। हरदत्तनगर गिरंट के उप निरीक्षक राज किशोर वर्मा मय पुलिस टीम तथा आबकारी निरीक्षक ज्ञान प्रताप सिंह मय टीम की ओर से ग्राम खटिकन देवरा दाखिला देवरा स्थित एक परचून की दुकान पर औचक छापेमारी की गई। छापेमारी में अभियुक्ता राम प्रताप यादव की पत्नी को 54 अदद झूम बराबर झूम देशी शराब पाउच के साथ गिरफ्तार किया गया। देशी शराब को किसी ठेके से खरीद कर परचून की दुकान में रख कर बेचा जा रहा था। इस पर हरदत्तनगर गिरन्ट थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार की गई महिला को एसडीएम न्यायालय भेजा गया है।

तेज आंधी-तूफान से शहर में अव्यवस्था, प्रशासन ने संभाला मोर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शहर में मंगलवार दोपहर आई तेज आंधी-तूफान के कारण कई स्थानों पर अव्यवस्था की स्थिति निर्मित हो गई। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत एवं रेस्क्यू कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही एडीएम दिनेश शुक्ला, सीईओ जिला पंचायत विजय राज एवं एसडीएम आनंद राजावत घटनास्थलों पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कराया। दर्जनभर स्थानों से हटाए गए गिरे पेड़ आंधी के कारण शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पेड़ गिरने से मार्ग अवरुद्ध हो गए, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। नगर पालिका की टीम के सहयोग से प्रशासन ने महल कॉलोनी, कस्टम गेट, ग्वालियर बायपास, माधव चौक, मधुराम स्वीट्स के सामने, होटल सोनचिरैया सहित लगभग एक दर्जन स्थानों से गिरे पेड़ों को हटाकर यातायात बहाल कराया। दीवार गिरने से लोग घायल, अस्पताल में भर्ती- तेज आंधी के चलते पोलो ग्राउंड की दीवार गिरने से कुछ लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां से उन्हें बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इनमें एक घायल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया, जबकि दो अन्य का इलाज नवजीवन हॉस्पिटल में जारी है। कलेक्टर के निर्देश पर एडीएम दिनेश शुक्ला एवं एसडीएम ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर उपचार के निर्देश दिए। अधिकारियों ने मेडिकल कॉलेज और नवजीवन हॉस्पिटल पहुंचकर उपचार व्यवस्था की निगरानी भी की।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

जिलाधिकारी श्रावस्ती के तत्वावधान में श्रम विभाग की बड़ी पहल, ग्राम पंचायत पतिझिया को बाल श्रम मुक्त बनाने का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। माननीय मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप 'बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश-2026-27' अभियान को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्रावस्ती के निर्देशन के क्रम में आज विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पतिझिया के विद्यालय प्रांगण में %ग्राम बाल संरक्षण समिति% की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान ओम प्रकाश उर्फ जुग्गी लाल द्वारा की गई।

यह कार्यक्रम श्रम विभाग, रूस्थरूङ्क्रस् और ग्राम हितधारकों के साझा समन्वय से आयोजित हुआ। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों और समिति के सदस्यों ने बाल अधिकारों की रक्षा और उनके उज्जवल भविष्य पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में जिला सलाहकार (श्रम विभाग) राजेश कुमार ने बाल श्रम निषेध अधिनियम के कड़े प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने समिति के सदस्यों को उनकी नैतिक और कानूनी जिम्मेदारियों का बोध कराते हुए श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों का स्थान कार्यस्थलों पर नहीं, बल्कि विद्यालयों में है। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने गौरव के साथ यह साझा किया कि वर्तमान में उनके गाँव का कोई भी बच्चा बाल श्रम में संलिप्त नहीं है। इस सकारात्मक स्थिति को स्थायी बनाए रखने हेतु सर्वसम्मति से ग्राम पंचायत पतिझिया को 'बाल श्रम मुक्त' घोषित करने का ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया गया। ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि यदि भविष्य में कोई भी बच्चा श्रम की ओर प्रवृत्त पाया जाता है, तो उसे तत्काल रोककर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा 'बाल श्रमिक विद्या योजना' एवं 'स्पॉन्सरशिप योजना' जैसी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र बच्चों का आवेदन सुनिश्चित कराने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। साथ ही अभिभावकों को BOCW श्रम कार्ड बनवाने हेतु प्रेरित किया गया। व श्रम कार्ड के लाभ व सम्बन्धित योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय पतिझिया की मुख्य अध्यापिका, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियाँ, ग्राम प्रधान, अभिभावक, सामाजिक कार्यकर्ता तारिक अहमद तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक पूरनपुर एवं जिलाधिकारी ने गोमती नदी के पुनरोद्धार कार्य का शहबाजपुर में किया शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 दलजीत कौर, विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने आज विकास खण्ड पूरनपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत शहबाजपुर में गोमती नदी का पुनरोद्धार कार्य का विधि-विधान से पूजन कर कार्य की शुरूआत की। जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक एवं जिलाधिकारी ने फावड़ा चलाकर नदी के पुनरोद्धार हेतु श्रमदान किया। मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में जनसमूह को संबोधित करते हुये कहा कि गोमती नदी पीलीभीत की पहचान है। हमें यह बताते हुये गर्व होता है कि गोमती नदी का उद्गम स्थल हमारे जनपद पीलीभीत में स्थित है। नदियां हमारी सभ्यता की जीवनरेखा हैं। गोमती नदी का पुनरोद्धार आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक अभियान है। इससे न केवल जल स्तर में सुधार होगा अपितु

स्थानीय जैव विविधता को भी नया जीवन मिलेगा। मा0 विधायक पूरनपुर ने कहा कि गोमती नदी को नया जीवन प्रदान करना और क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करना है। उन्होंने कहा कि इस कार्य से वी.वी.रामजी और अन्य योजनाओं के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार भी प्राप्त होगा। नदी की खुदाई और सफाई का कार्य को सही तरीके से कराया जाये। उन्होंने कहा कि इस स्थल का विकास कराने के लिए प्रयास करेंगें। जिलाधिकारी ने कहा कि गोमती नदी आदि गंगा के नाम से जाने जाती है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी ने गोमती पर विशेष ध्यान दिया है और आने वाले में बहुत बडा पर्यटक स्थल माधोटांडा बनने जाने जा रहा है। उन्होंने बताया कि गोमती नदी की जनपद की सीमा तक की लम्बाई का सर्वे कराकर जहॉ जहॉ अतिक्रमण व गहराई कम है उसकी खुदाई कराने का कार्य किया जायेगा तथा गोमती से लगे तालाबों की खुदाई कराई जायेगी जिससे की जल स्तर सुधार हो सके। इस कार्य में जनप्रतिनिधियों और लोगों का सहयोग मिल रहा है। जिससे नदी का निरन्तर जल प्रवाह हो सके। उन्होंने कहा कि गोमती नदी के पुनर्जीवित होने से क्षेत्र के भूजल स्तर में सुधार होगा तथा किसानों को सिंचाई हेतु जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की भी हमसबकी जिम्मेदारी है। इस दौरान जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने अपने विभाग से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने ग्रामवासियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को समस्याओं के समाधान करने के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान व स्थानीय लोगों द्वारा सराहनीय कार्य हेतु प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी अधिकारी, डीसी मनरेगा, पंचायत सचिव, लेखपाल, ग्राम प्रधान सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील पूरनपुर का सम्पूर्ण समाधान दिवस हुआ सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में तहसील पूरनपुर का सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 47 शिकायती प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुये, जिसमें से मौके पर 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया। सम्पूर्ण समाधान में राजस्व, चकमार्ग सहित अन्य विभागों की शिकायतें प्राप्त हुई। प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में संज्ञान लेते हुए कहा कि अधिकारी अपनी-अपनी विभागीय शिकायतों का गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारण करें, अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता की शिकायतों के निस्तारण हेतु मौका मुआइना अवश्य करें और शिकायतकर्ता सहित दोनों पक्षों को बुलाकर शिकायतों का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें तथा निस्तारण आख्या पोर्टल पर अपलोड करें।

उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री कार्यालय से जन सुनवाई की शिकायतों की गुणवत्ता की जांच की जा रही है, राजस्व सम्बन्धी मामलों में जहां पर पुलिस प्रशासन की आवश्यकता हो तो वहां पुलिस को साथ लेकर मौके पर निस्तारण कराया जाये।

इसके साथ ही तहसील परिसर में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निःक्षय शिविर का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी द्वारा आधुनिक एक्सरे मशीन का बटन दबाकर शिविर का शुभारम्भ किया। आयोजित महोत्सव में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य चेकअप कैम्प में लोगों की जांच की गई, कैम्प में आधुनिक एक्सरे मशीने से एक्सरे कर तुरन्त रिपोर्ट दी गई।

तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 आलोक कुमार, उप जिलाधिकारी पूरनपुर, जिला विकास अधिकारी, डीसी मनरेगा, जिला कृषि अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी पूरनपुर सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

समैचीपुर चितार गांव में भीषण आग लगने से भारी नुकसान और मवेशियों की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फारूखाबाद- थाना शमसाबाद के ग्राम समैचीपुर चितार में बीते दिनों हुई भीषण अग्निकांड की त्रासदी के बाद, समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को पीड़ितों के बीच पहुँचा। सपा जिलाध्यक्ष *चंद्रपाल सिंह यादव के नेतृत्व में नेताओं ने न केवल पीड़ितों का दुख साझा किया, बल्कि उन्हें इस संकट की घड़ी में हर संभव मदद का अटूट भरोसा भी दिया। राहत कार्य और एकजुटता अग्निकांड की विभीषिका इतनी भयानक थी कि दर्जनों परिवारों की जीवनभर की पूंजी, नगदी और घरेलू सामान जलकर राख हो गया था। बेजुबान मवेशियों की मौत ने ग्रामीणों को झकझोर कर रख दिया है। राशन वितरण- जिला उपाध्यक्ष अजीत यादव ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचकर पीड़ित परिवारों को राशन सामग्री वितरित की, ताकि उनके चूल्हे फिर से जल सकें। पार्टी का संकल्प- जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि सपा हमेशा गरीबों और मजलूमों के साथ खड़ी है। प्रशासन से भी मांग की जाएगी कि पीड़ितों को जल्द से जल्द उचित मुआवजा मिले। प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रमुख नेता- पार्टी के जिला प्रवक्ता/सचिव राधेश्याम सविता ने बताया कि इस मौके पर पीड़ितों का ढांढस बंधाने के लिए निम्नलिखित नेता उपस्थित रहे- डॉ. जितेन्द्र सिंह यादव (प्रदेश सचिव) इलियास मंसूरी (जिला महासचिव) राकेश यादव (पूर्व जिला पंचायत सदस्य) राजपाल यादव, रियाज खां (प्रधान) व अन्य पदाधिकारी। राजनीति अपनी जगह है, लेकिन इंसानियत सबसे ऊपर है। समैचीपुर चितार के परिवारों ने जो खोया है, उसकी भरपाई तो मुश्किल है, लेकिन हम उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे।

समाजवादी पार्टी, जनपद फर्रुखाबाद

फर्रुखाबाद अग्निकांड: सपा प्रतिनिधिमंडल ने किया प्रभावित गांव का दौरा, पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फारूखाबाद- फर्रुखाबाद से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया हैज्जहां सदर कोतवाली क्षेत्र के मुख्य बाजार में देर रात एक ऐसा नज़ारा देखने को मिला, जिसने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दियाज्कहते हैं, जब एक आदमी किसी से सच्चा प्यार करता है तो वो अपनी इज्जत और अपनी सोच तक भूल सकता हैज्और शायद कुछ ऐसा ही यहां देखने को मिलाज्देर रात एक युवक अचानक एक महिला के पैरों में गिर गया और उसके दोनों पैर पकड़कर सड़क पर ही लेट गयाज्देखते ही देखते मौके पर भीड़ जुट गईज्लोग रुक-रुक कर इस पूरे घटनाक्रम को देखते रहे, लेकिन युवक पर जैसे किसी बात का कोई असर ही नहीं थाज्महिला बार-बार कहती रही - हटोज्पैर छोड़ोज्सब देख रहे हैंज्इसके बावजूद युवक करीब 20 से 30 मिनट तक वहीं पड़ा रहाज्मौके पर मौजूद लोगों के मन में बस एक ही सवाल था - आखिर कोई इंसान किस हद तक जा सकता हैज्हालांकि जब महिला से युवक के बारे में पूछा गया तो उसने उसे पहचानने से साफ इनकार कर दियाज्जिसके बाद मौजूद लोगों ने किसी तरह दोनों को अलग करायाज्हैरानी की बात ये रही कि युवक पूरी तरह होश में थाज्ना कोई नशा, ना किसी तरह की कमजोरीज्कुछ ही देर बाद युवक खुद उठा, अपनी बाइक ली और बिना कुछ कहे वहां से चला गयाज्अब ये प्यार था, जिद थी या कोई और वजहज्ये साफ नहीं हो पाया हैज्लेकिन उस रात फर्रुखाबाद के बाजार में एक बात जरूर देखने को मिली -जब आदमी दिल से किसी को चाहता है, तो वो क्या-क्या कर सकता हैज्

डीएम डॉ. अंकुर लाठर ने किया लोहिया अस्पताल के NRC का औचक निरीक्षण, दिए कड़े निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फारूखाबाद- फर्रुखाबाद, जिलाधिकारी डॉ0 अंकुर लाठर द्वारा आज डॉ0 राम मनोहर लोहिया पुरुष चिकित्सालय, फर्रुखाबाद में संचालित एन0आर0सी0 (पोषण पुनर्वास केंद्र) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र में भर्ती कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य, उपचार एवं उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने एन0आर0सी0 वार्ड में भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा उपस्थित चिकित्सकों को निर्देशित किया कि सभी बच्चों को समय से आयरन सिरप उपलब्ध कराया जाए एवं नियमित रूप से उनका हीमोग्लोबिन परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कुपोषित बच्चों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वार्ड की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि वार्ड का तापमान 27 से 28 डिग्री सेल्सियस के मध्य बनाए रखा जाए, जिससे बच्चों को अनुकूल वातावरण मिल सके। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि बच्चों एवं उनकी माताओं को प्रदान की जाने वाली पौष्टिक आहार (डाइट) का चार्ट स्पष्ट रूप से वार्ड में चस्पा किया जाए, ताकि परिजनों को भी इसकी जानकारी रहे।

जिलाधिकारी द्वारा केंद्र में भर्ती 13 बच्चों एवं उनकी माताओं से संवाद स्थापित कर उनका हालचाल जाना गया तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बच्चों एवं उनकी माताओं को फल, बिस्किट, जॉनसन बेबी किट एवं साड़ियां वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एन0आर0सी0 केंद्र में स्वच्छता, पोषण एवं उपचार की सभी व्यवस्थाएं उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित की जाएं तथा नियमित मॉनिटरिंग की जाए, जिससे कुपोषण उन्मूलन के प्रयासों को प्रभावी बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सहित संबंधित अधिकारी एवं चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

यूपी बोर्ड हाईस्कूल टॉपर अंशिका को सपा ने किया सम्मानित, भेंट किया टैबलेट

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फारूखाबाद- फ़रुख़ाबाद 7 यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा में अपनी मेधा का परचम लहराने वाली होनहार छात्रा अंशिका को समाजवादी पार्टी (सपा) की ओर से सम्मानित किया गया है। अंशिका ने 97.17 प्रतिशत अंक हासिल कर न सिर्फ जनपद में पहला स्थान प्राप्त किया है, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में चौथा स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। शुक्रवार को सपा नेताओं ने उनके पैतृक गांव पहुंचकर उन्हें टैबलेट भेंट किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बिना कोचिंग के हासिल की सफलता, पिता हैं किसान- सपा जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव के नेतृत्व में पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल अंशिका के पैतृक गांव गंगलउ (परमनगर) पहुंचा। यहां प्रदेश सचिव डॉ. जितेंद्र सिंह यादव ने अंशिका को टैबलेट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अंशिका ने बताया कि उनके पिता एक साधारण किसान हैं। उन्होंने यह शानदार सफलता बिना किसी कोचिंग या दिखावे के, सिर्फ अपनी कड़ी मेहनत और एकाग्रता के बल पर हासिल की है। अपनी आगे की योजनाओं के बारे में बताते हुए अंशिका ने कहा कि वह भविष्य में सिविल सेवा की तैयारी करना चाहती हैं और सपा नेताओं द्वारा दिया गया यह टैबलेट उनके इस मिशन का मुख्य आधार बनेगा। सपा सरकार बनने पर फिर बांटे जाएंगे लैपटॉप- चंद्रपाल सिंह यादव

इस सम्मान समारोह के दौरान सपा नेताओं ने शिक्षा को लेकर अपनी पार्टी के विजन को भी साझा किया। जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि भविष्य में समाजवादी सरकार बनने पर पूर्व की भांति प्रत्येक छात्र-छात्रा को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए लैपटॉप दिए जाएंगे। वहीं, प्रदेश सचिव डॉ. जितेंद्र सिंह यादव ने आश्वासन दिया कि पार्टी गरीब और मेधावी बच्चों को सरकार के सहयोग से आगे पढ़ाने के लिए नई योजनाएं लाने पर विचार कर रही है।

प्रदेश सचिव सर्वेश अंबेडकर ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे जीवन में बदलाव का एकमात्र माध्यम बताया। इस मौके पर जिला महासचिव इलियास मंसूरी, जिला उपाध्यक्ष अजीत यादव, कायमगंज विधानसभा अध्यक्ष अरविंद यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष छात्र सभा राजपाल यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राकेश यादव, विनय यादव और रामपाल यादव सहित कई अन्य समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेस-वे: भूमि अधिग्रहण में लापरवाही पर डीएम सख्त, 5 लेखपालों पर गिरी गाज

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद प्रस्तावित फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेस-वे परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण कार्यों में हो रही देरी पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिलाधिकारी (डीएम) डॉ. अंकुर लाठर ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले 5 लेखपालों के खिलाफ तत्काल प्रभाव से सख्त दंडात्मक कार्रवाई की है।

दो लेखपाल अटैच, तीन का वेतन रुका- डीएम डॉ. लाठर ने भूमि क्रय कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप काम न होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। लापरवाही के आरोप में दो लेखपालों सौरभ पांडेय* और अतुल प्रताप सिंह को तत्काल प्रभाव से भूलेख कार्यालय से संबद्ध (अटैच) कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त तीन अन्य लेखपालों, जिनमें *विकास दीक्षित. सुभाष चंद्र और सत्येंद्र गंगवार शामिल हैं, का वेतन अग्रिम आदेशों तक के लिए रोक दिया गया है।

जनहित की परियोजनाओं में शिथिलता बर्दाश्त नहीं- बैठक को संबोधित करते हुए डीएम ने स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि एक्सप्रेस-वे जैसी महत्वपूर्ण और जनहित से जुड़ी परियोजना में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित राजस्व कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और गंभीरता के साथ करने की हिदायत दी है।

समयसीमा में काम पूरा करने के निर्देश- अधिकारियों को चेतावनी देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि भूमि क्रय की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और हर हाल में तय समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही कार्यों की नियमित निगरानी के भी आदेश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जा सके।

जिले के विकास के लिए महत्वपूर्ण है

एक्सप्रेस-वे डीएम डॉ. लाठर ने इस बात पर जोर दिया कि फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेस-वे परियोजना जनपद के विकास की दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

इस परियोजना के पूरा होने से न केवल क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी, बल्कि निवेश और रोजगार के नए अवसरों का भी सृजन होगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने के निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

झोला छाप डाक्टर ने युवती के साथ दुष्कर्म का किया प्रयास

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/फर्रुखाबाद - झोला छाप डाक्टर ने युवती के साथ दुष्कर्म का किया प्रयास युवती गई थी सद्दाम हॉस्पिटल पर दबा लेने- झोला छाप डाक्टर सद्दाम मरीजों को गुमराह करने के लिए डाक्टर का वोट लगाकर चलाता हॉस्पिटल- हिंदू युवती को अकेला देख चेकअप करने के बहाने ले गया अंदर युवती से छेड़ छाड़ कर दुष्कर्म का किया प्रयास युवती के विरोध करने पर झोला छाप डाक्टर सद्दाम ने युवती को छोड़ा युवती परिजनो के साथ पहुंची थाने सद्दाम के खिलाफ थाने में दी तहरीर पुलिस ने आरोपी मुस्लिम युवक सद्दाम को मौके से हिरासत में लिया थाना मऊ दरवाजा क्षेत्र का मामला

कालाबाजारी का भंडाफोड़: बंद मकान से मिले कमर्शियल और घरेलू गैस सिलेंडर, मकान मालिक ने झाड़ा पल्ला

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद फतेहगढ़ क्षेत्र में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी की बड़ी आशंका के बीच आपूर्ति विभाग ने एक अहम कार्रवाई को अंजाम दिया है। को मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए, विभाग की टीम ने भूसा मंडी मोहल्ले स्थित एक बंद मकान पर छापा मारा। इस दौरान मौके से 21 कमर्शियल और घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए हैं। घनी आबादी के बीच चल रहे इस अवैध भंडारण का खुलासा होने से इलाके में हड़कंप मच गया।

छापेमारी टीम में ये अधिकारी रहे शामिल- जिला पूर्ति विभाग की इस छापेमारी टीम में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी अनिल कुमार यादव, पूर्ति निरीक्षक नेहा गुप्ता, पूर्ति निरीक्षक अमित चौधरी, अमृतपुर के पूर्ति निरीक्षक नितेश नायक और वरिष्ठ सहायक राजीव कुमार शामिल रहे। यह कार्रवाई मूलचंद्र यादव के मकान पर की गई, जहां से टीम को छोटे-बड़े दोनों प्रकार के कमर्शियल और घरेलू गैस सिलेंडर मिले।

मकान मालिक ने झाड़ा पल्ला- कार्रवाई के दौरान जब मकान मालिक मूलचंद्र यादव से पूछताछ की गई, तो उन्होंने इन सिलेंडरों से किसी भी तरह की जानकारी होने से साफ इंकार कर दिया। मूलचंद्र ने टीम को बताया कि उन्होंने अपने मकान की चाबी किसी अन्य व्यक्ति को दे रखी थी। फिलहाल, आपूर्ति विभाग की टीम ने बरामद सभी 21 सिलेंडरों को अपने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया है।

रिहायशी इलाके में भंडारण से उठ रहे सवाल- आबादी वाले क्षेत्र के बीचों-बीच एक मकान में इतनी बड़ी संख्या में गैस सिलेंडरों का रखा जाना किसी बड़े खतरे से खाली नहीं था। इस खुलासे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। क्षेत्र में इन सिलेंडरों की ब्लैक मार्केटिंग किए जाने को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

क्या कहते हैं अधिकारी?- इस पूरे मामले पर जिला पूर्ति अधिकारी सुरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि बरामद सिलेंडरों की गहनता से जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि इतनी बड़ी संख्या में यह सिलेंडर कहां से लाए गए थे और इनका असली मालिक कौन है।

Health Tip: Is excessive sweating good or bad? Learn everything in one click

Both excessive and lack of sweating are considered very harmful to the body. Here, we'll explain every detail about it. Sweating is a natural process in our body, which under normal circumstances indicates a healthy body. It not only helps keep the body cool but also plays an important role in maintaining the balance of the body's internal functions. Sudden changes in sweat levels, such as increased or decreased sweating, can indicate good or bad health. Ignoring this can sometimes lead to serious consequences. In this article, we'll explore normal and abnormal sweating patterns, causes, and precautionary measures. Harms of Excessive Sweating - Excessive sweating, called hyperhidrosis, is often more pronounced on certain parts of the body, such as the hands, feet, armpits, or face. It can be caused by hormonal imbalances, stress, obesity, or thyroid problems. Excessive sweating not only causes discomfort but also increases social and mental stress. People are hesitant to shake hands or go out in public. Harms of Low Sweating - No or very little sweating, called anhidrosis, can also be dangerous. It can be caused by nervous system problems, skin diseases, or excessive exposure to heat. If the body's thermoregulation system is affected, it can lead to heat stroke, fatigue, and serious health problems. How important is normal sweating? Normal sweating is essential for the body. It helps eliminate toxins, regulate body temperature, and maintain healthy skin. Normal sweating is a sign of your body's natural balance and functioning. Ignoring it is wrong, but it's also not something to be afraid of. Things to keep in mind: It's important to consult a doctor if you experience excessive or low sweating. For excessive sweating, antiperspirants, medical treatments, or techniques like Botox can help. People with low sweating should drink adequate fluids, stay cool, and avoid heat. Lifestyle modifications, a nutritious diet, and regular exercise are also essential for maintaining good health.

Kerala is on alert for a new disease that causes brain inflammation; 80% of people don't show symptoms.

An alert has been issued in Kerala regarding West Nile fever. This disease is spread through mosquitoes and, in severe cases, can cause brain inflammation. Let's explore this issue in more detail. Kerala is once again in the grip of an infectious disease. In recent months, cases of brain-eating amoeba, Nipah, African swine fever, and hepatitis A infections have risen sharply. Recent reports have alerted people about a new disease. Health officials have warned people about West Nile fever in several parts of Kerala. While no cases have been confirmed, some suspected cases have been reported, raising concerns. Officials stated that samples have been sent for testing. The results will take a few days, and until then, everyone has been advised to exercise caution. Investigations have been intensified in areas where suspected cases have been reported, such as Pallikara, Ponekkara, and Palluruthy. Medical reports indicate that West Nile fever can cause complications such as brain swelling in severe cases. Most worryingly, 80% of people infected with the disease remain asymptomatic. Following the emergence of suspected West Nile fever cases in Kerala, health officials have issued an alert. Local residents have been advised to follow precautionary measures to reduce the risk of infection. What is this disease? West Nile fever is a mosquito-borne disease. It is a viral infection primarily spread by Culex mosquitoes. 80% of cases show no symptoms, while 20% result in a mild, flu-like illness. In severe cases, the infection can also cause neurological disease, although such cases are less than 1%. There is no specific vaccine or treatment available to prevent or treat this disease. Efforts are made to manage its symptoms. How does this infection spread? Medical reports indicate that the virus is primarily transmitted from infected birds to mosquitoes, and then spreads to humans through mosquito bites. During the rainy season, waterlogging and filth increase the risk of mosquito breeding, which can increase the risk of infection. According to the World Health Organization (WHO), people over 60 years of age are at higher risk of developing severe infection. Furthermore, people with diabetes, high blood pressure, kidney disease, cancer, or weakened immune systems may be at higher risk of developing the infection and developing severe symptoms. Medical reports also advise pregnant women to take special precautions. What are the symptoms of West Nile fever? Health experts say that while most people do not experience symptoms, the infection can cause mild fever, headache, body aches, and fatigue. Some people may experience muscle pain, nausea, and vomiting. Skin rashes, swollen lymph nodes, and persistent pain behind the eyes may occur. In severe cases, it can also cause confusion and seizures. Infected individuals are at risk of paralysis and coma. When the infection attacks the nervous system, it can cause neck stiffness, severe headaches, and brain swelling. What to do to prevent this disease? To prevent West Nile fever, it's essential to avoid mosquitoes. Avoid water accumulation around the house. Regularly clean coolers, pots, tires, and tanks. Use mosquito nets and screen windows. Wear clothing that covers the entire body when outdoors. Using mosquito repellent or mosquito repellent helps prevent infection. If fever, headache, and weakness persist for a long time, consult a doctor. There is no specific vaccine or antiviral treatment available.

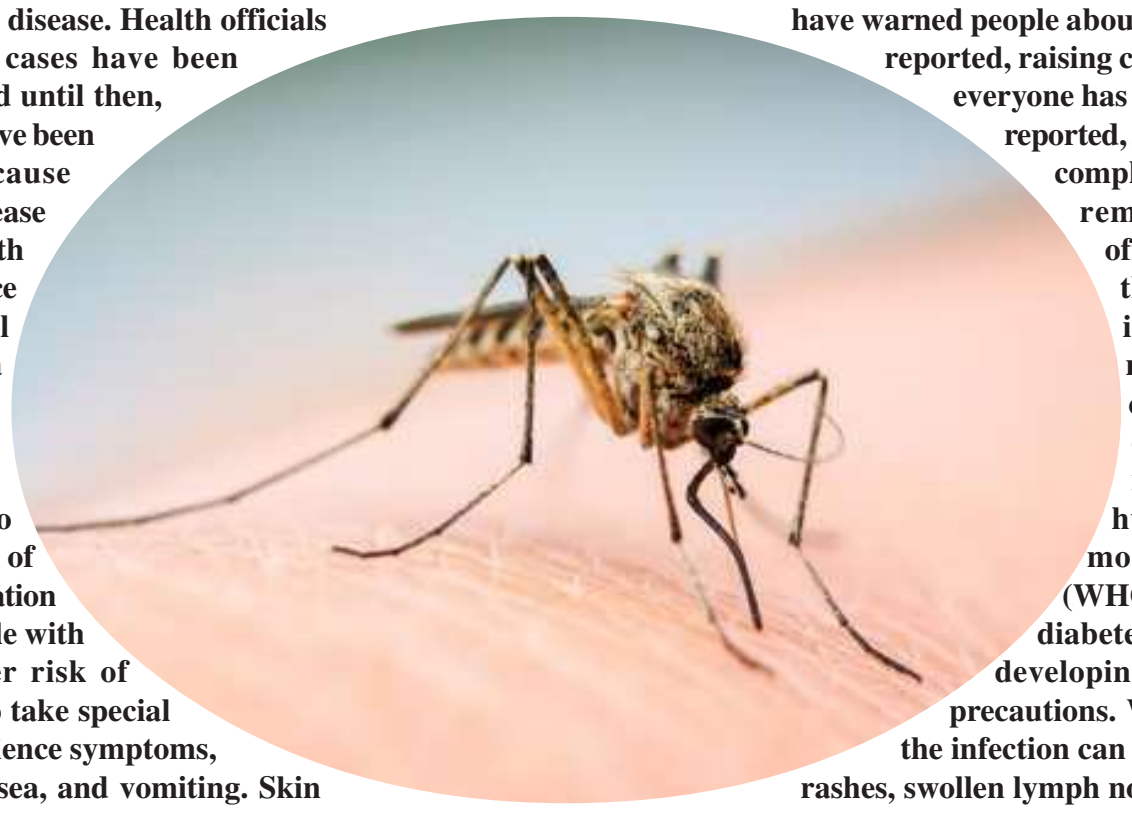

Does drinking coffee lower or raise blood pressure? Know these important things before you drink it next time.

Numerous studies have found that coffee works as a medicine. However, drinking too much coffee can increase heart rate, disrupt sleep, increase anxiety, and lead to long-term health problems. Can you drink coffee with high blood pressure? Are you a coffee lover? Whether you're starting your day in the morning or trying to unwind after work, if you always remember coffee, then this is good news for you. Numerous studies have shown coffee to be very beneficial for health. Especially if you drink black coffee without milk or sugar, it can provide numerous benefits. In a report published in Amar Ujala, we reported that coffee can be beneficial for the liver as well as many other organs. Whether it's energy, focus, or mood enhancement, coffee is beneficial for all of these. You've often heard that people recommend drinking coffee for blood pressure problems. But the big question is: is coffee beneficial for low blood pressure or high blood pressure? If you don't pay attention to this, it can be harmful instead of beneficial. Medical reports show that the caffeine in coffee has a direct effect on the body. Caffeine is a natural stimulant that activates the brain and nervous system. This is why drinking coffee can help you wake up and increase your energy. However, health experts advise that coffee should be consumed in the right amount, at the right time, and keeping your health condition in mind. What have studies shown? According to the American Heart Association, caffeine can affect both heart rate and blood pressure. It increases adrenal hormone levels in the body, which can temporarily increase blood pressure. Experts say that since caffeine helps increase blood pressure, it should not be consumed if you already have high blood pressure. According to a MayoClinic.com report, caffeine can temporarily increase both systolic and diastolic blood pressure in some people. If a person has high blood pressure, drinking large amounts of coffee at one time can increase the risk. Studies have also found that drinking 1-2 cups of coffee a day does not cause significant harm to everyone. When should blood pressure patients drink coffee? Health experts say that coffee has been shown to be beneficial for many conditions, including liver and brain problems. However, blood pressure patients should exercise caution. If your blood pressure remains consistently high, caffeine can temporarily increase it further. In such cases, doctors often advise minimizing caffeinated foods. Coffee can be beneficial in improving low blood pressure (hypotension). Drinking a cup of coffee can quickly relieve dizziness or lightheadedness caused by a sudden drop in blood pressure. However, if you continue to have low blood pressure, seek timely treatment. When should you not drink coffee? In certain situations, you should reduce your consumption of coffee or anything containing caffeine. Avoid drinking coffee if your blood pressure remains consistently high. Limit your coffee intake if you have an irregular heartbeat, a panic or anxiety disorder, or sleep problems. Pregnant women should also limit their caffeine intake.

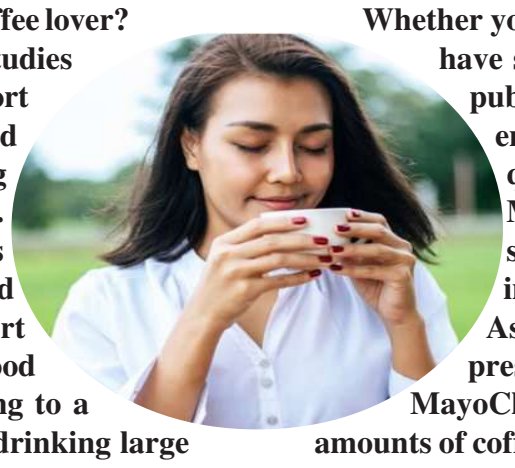

Ranveer Singh shines at cousin's wedding, his bond with his sister wins fans' hearts; photos going viral

Bollywood actor Ranveer Singh attended the wedding of his cousin, Soumya Hingorani, last year, who married Samraj Thackeray. Photos from their wedding have now surfaced, going viral on social media. In fact, Ranveer married in December last year. Ranveer Singh at her wedding. surfaced, making headlines online. A revealed.During Soumya Hingorani Ranveer was seen emotional upon glimpses of their after-wedding party and revealing Ranveer's special bond wedding photographer shared some photo, Ranveer looks dapper in a embracing Saumya. Sharing the the moment was captured. He wrote, of 'celebrities,' I feel the photo speaks different. We were hurriedly walking where Saumya's dress glowed in the the darkness. Before the celebrations hug between the siblings. It was was vibrant. I simply sensed the captured beautifully." In another the DJ, adding to the party - Ranveer Singh is enjoying the

Singh's cousin, Soumya Hingorani, Deepika Padukone was also with Photos from their wedding have now special bond with his cousin has been and Samraj Thackeray's wedding, seeing Soumya as a bride. Now, new in Goa have emerged, delighting fans with his cousin. On Tuesday, the photos from the after-party. In one black tuxedo and sunglasses, lovingly photo, the photographer explained how "I usually avoid posting close-up photos for itself. But this moment was down a dark alley to the after-party, dark. Someone was waiting for her in resumed, there was a brief and sweet completely dark, and the atmosphere moment and captured it. And it was photo, Ranveer is seen having fun near atmosphere with his energy. Workfront success of "Dhurandhar: The Revenge." He will next be seen in the zombie thriller "Pralay," directed by Jay Mehta. Meanwhile, Deepika Padukone has a slew of big projects lined up. She will be seen in "King" with Shah Rukh Khan later this year. Additionally, Deepika also has Atlee's big-budget film "Raaka," starring Allu Arjun.

A 9-year-old video of Sara Arjun goes viral, calling this actress her inspiration; saying, "I'm not like anyone else..."

Actress Sara Arjun recently received a lot of praise for the film "Dhurandhar." Now, an old video of hers is going viral, in which she is seen talking about her role model and inspiration. Find out what's special about her Bollywood debut as a lead "Dhurandhar." Her acting in widespread praise. Meanwhile, viral, in which she reveals her is that this video is 9 years old. actresses - Sara Arjun is for winning hearts with her films "Dhurandhar" and year-old video of her is rapidly which little Sara is asked about she names Alia Bhatt and says that she wants to be Sara want to be Sara Arjun only - In was asked who her role model Bhatt's look and her acting, and Deepika Padukone very much. Padukone... but they are not my they are my inspiration. But to Arjun only. I never want to be 'Dhurandhar The Revenge' - In Revenge', Sara Arjun played

the video. Sara Arjun made actress with the film this film garnered her an old video of hers is going inspiration. The special thing Sara Arjun has named these currently making headlines stellar performances in her "Dhurandhar 2." Now, a 9- going viral on social media, in her role models. In the video, Deepika Padukone, but also Arjun, not anyone else. I the viral video, when Sara is, she replied, "I love Alia I like both Alia Bhatt and Alia Bhatt and Deepika role models. I just like them, be honest, I want to be Sara like anyone else." About the film 'Dhurandhar The the role of Yelina Jamali, the wife of Hamza Ali Mazari. The film stars Ranveer Singh in the lead role, playing Hamza Ali Mazari. In addition to Ranveer Singh and Sara Arjun, the film also stars Sanjay Dutt, Arjun Rampal, Rakesh Bedi, and R. Madhavan in pivotal roles.

What will 'Mirzapur The Movie' be like? Munna Bhaiya shared a major update about the film; said, "It's totally worth the money..."

The popular web series 'Mirzapur' is now ready to hit the big screen. Actor Divyenndu recently made a big statement about the film. Find out what the film will be like. The 'Mirzapur' web series has received immense love from already been released, and now a release date for season 4 is not yet a major update about 'Mirzapur The about the film's story. It will be a conversation with News 18, he had while shooting this project and for money. Talking about this much- "It's going to be big, very big. It was a a complete value for money. People are exaggerate or reveal too much, much, but what we have created is story be? - According to reports, the year, and its story is expected to be than before. It is being said that this of season 4, but will instead showcase of Mirzapur on a grander scale. The Singh and produced by Excel be released? - Iconic characters from this film. Kaleen Bhaiya, Guddu character Munna Bhaiya, Divyenndu, large star cast, including Jitendra Banerjee, Rasika Duggal, Shweta Harshita Gaur, Sushant Singh, Mohit

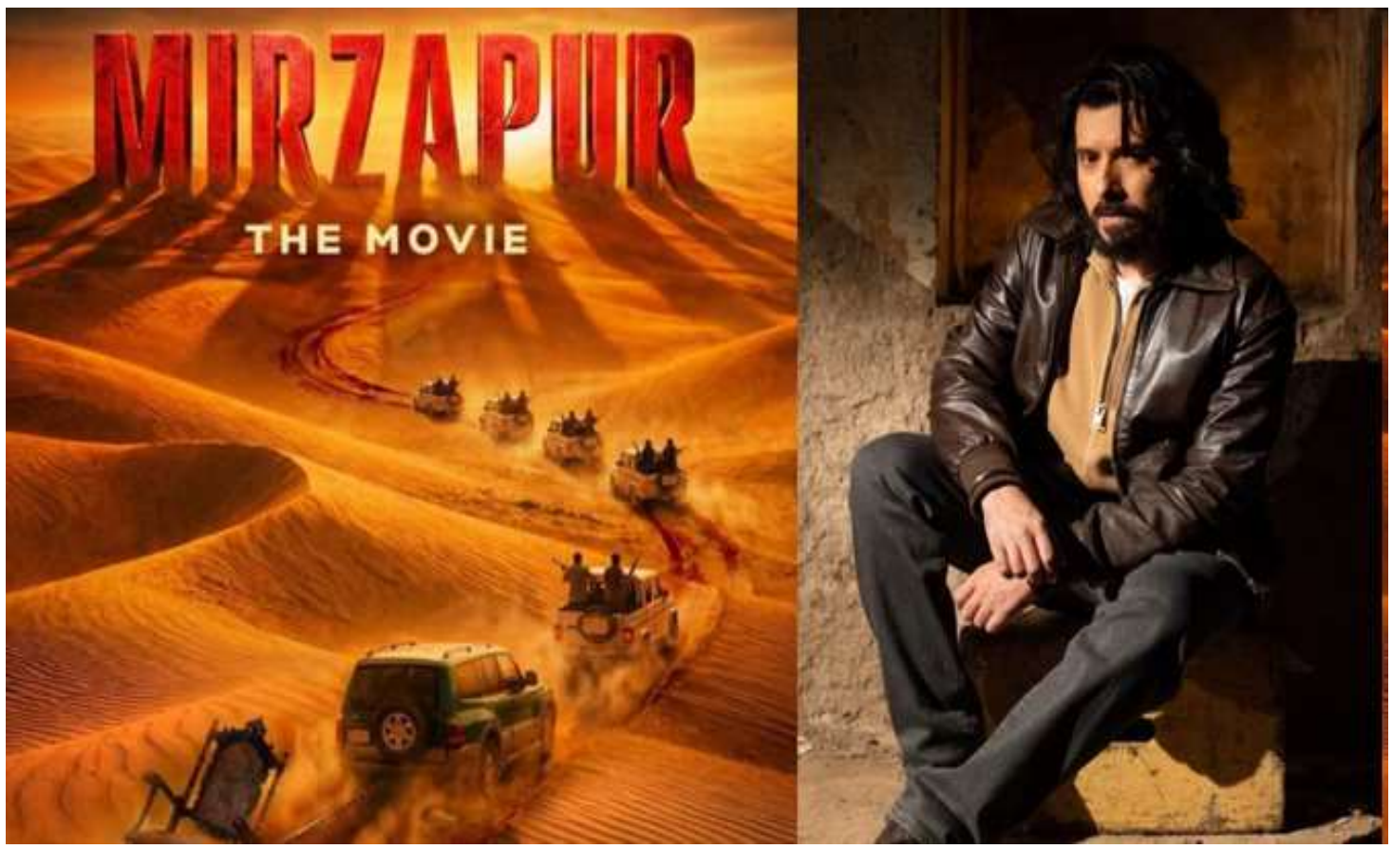

the public. Three seasons have fourth is underway. However, the known. Earlier, Divyenndu shared Movie'. The actor spoke openly complete value for money. In a Divyenndu shared how much fun said that it will be a complete value awaited project, Divyenndu said, lot of fun shooting it, and it will be waiting for it." I don't want to otherwise people will expect too amazing." What will the film's film will be released in theaters this even more powerful and different film will not be a direct continuation a new chapter, exploring the world film is being directed by Gurmeet Entertainment. When will the film "Mirzapur" will be seen again in Pandit, and the much-loved will also return. The film boasts a Kumar, Ravi Kishan, Abhishek Tripathi, Shriya Pilgaonkar, Malik, Sheeba Chaddha, Rajesh Tailang, Kulbhushan Kharbanda, Sonal Chauhan, Pramod Pathak, and Anangsha Biswas. "Mirzapur The Movie 4" It will release in theatres in September 2026.